अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

ZOLLEGE.in

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

ZOLLEGE.in

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	1	2	1		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(b) क्योंकि वे इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पँहुचाते हैं	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) संयुक्त परिवारों का विघटन	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) परिवार में सद्गुणों और संस्कारों की नींव रखने के कारण	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) भौतिकता और आध्यात्मिकता का असंतुलन	1
	(v)	(v)	(v)	(b) भौतिक जीवन शैली का प्रभाव	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(a) शारीरिक और मानसिक व्याधियाँ	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(a) वृद्धों का अनादर और अपमान	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(d) पारिवारिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करना	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(a) भौतिक जीवन-शैली ने हमें अर्थ प्रधान बना दिया है	1
	(x)	(x)	(x)	(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है	1
2	2	1	3	**(क) काव्यांश - एक**	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(b) व्यक्तित्व निखर गया	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) पांडवों का संदेश लेकर	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) संतोष	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) तलवार	1
	(v)	(v)	(v)	(a) मनुष्य का नाश होता है	1
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**(ख) काव्यांश - दो**	
	(i)	(i)	(i)	(b) जिसका मूल्य आँका न जा सके	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) मित्रता पर	1

ZOLLEGE.in

	(iii)	(iii)	(iii)	(c) ऋण चुकाना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) कंधा	1
	(v)	(v)	(v)	(a) जीवन का अस्थायित्व	1
3	3	4	2		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(d) समाचार पत्र	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(b) दृश्य के साथ लेखन	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेके	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) छह	1
	(v)	(v)	(v)	(d) फीचर	1
4	4	3	4		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(d) लक्ष्मण का स्वस्थ हो जाना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) कुंभकरण	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(d) कुंभकरण की शक्ति पर भरोसा	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(b) कुंभकरण को	1
	(v)	(v)	(v)	(c) दुखी होने का कारण	1
5	5	5	5		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(b) कविता लिखने की	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(b) रात अधिक होना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) प्रेम का / (b) वात्सल्य का — **दोनों में से कोई भी उत्तर स्वीकार्य**	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) लेखिका को अकेली न छोड़ने के विचार से	1
	(v)	(v)	(v)	(c) स्वामी भक्ति	1
6	6	6	6		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(c) पाँच बजकर पच्चीस मिनट	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(d) पाठशाला जाने	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) पूर्ण विकसित होने से	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(b) बाढ़ से बचने के लिए	1
	(v)	(v)	(v)	(d) कविताओं में मन रमने से	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(b) पीढ़ी का अंतराल	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(b) उत्पादन अधिक होने से भाव नीचे जाता है	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(b) राजधानी	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(c) पढ़ने में होशियार एवं शांत था	1
	(x)	(x)	(x)	(d) (a) और (b) दोनों	1
7	7	7	7	**खंड 'ब'** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **(किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख)**	6

ZOLLEGE.in

				प्रारंभ, समापन विषयवस्तु प्रस्तुति भाषा	**1** **3** **1** **1**
8	**8**	**8**	**8**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	• कहानी की कथावस्तु का समय और स्थान के आधार पर विभाजन • घटनाक्रम के आधार पर दृश्यों का निर्माण • कहानी में आई विवरणात्मक टिप्पणियों की मंच सज्जा या पार्श्व-संगीत के माध्यम से अभिव्यक्ति • पर्याप्त मात्रा मे संवादों की व्यवस्था • पात्रों के मनोभावों और द्वंद्व की उपयुक्त प्रस्तुति **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	**<u>रेडियो पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम</u>** • समाचार तथा समकालीन प्रस्तुति • ज्ञानवर्धक कार्यक्रम • खेलों का आँखों देखा हाल • गीत-संगीत, नाटक आदि मनोरंजक कार्यक्रम **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **<u>लोकप्रियता का कारण</u>** • मनोरंजन के अन्य साधन आम आदमी के लिए उपलब्ध नहीं • सस्ता और सहजता से प्राप्त साधन • किसी भी स्थान पर ले जाने की सुविधा **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**1½+1½ = 3**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	**लेखन का अभिप्राय -** भाषा के सहारे विचारों और भावों की अभिव्यक्ति **कारण -** अभिव्यक्ति एवं विचार करने की क्षमता विकसित करने के लिए **कैसे -** परंपरागत विषयों से हटकर मौलिक लेखन के प्रयास तथा अभ्यास द्वारा	**1+1+1=3**

ZOLLEGE.in

9	**9**	**9**	**9**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x4=8**
	(क)	**-**	**-**	**पत्रकारीय विशेषज्ञता -** व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित न होने पर भी किसी विषय में जानकारी और अनुभव के आधार पर, क्षेत्र या विषय के मुद्दों की सहजता से व्याख्या कर सकने की क्षमता **कैसे प्राप्त कर सकते हैं** - • माध्यमिक और स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त करके • संबंधित विषय का साहित्य पढ़कर • विषय एवं सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों से जुड़े लोगों से संपर्क बनाकर	**2+2=4**
-	**(क)**	**-**		**मुद्रित माध्यम के लेखन मे ध्यान रखने वाली चार बातें -** • भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना • समय-सीमा और आबंटित जगह के अनुशासन का पालन • अशुद्धियों को ठीक करना • सहज प्रवाह के लिए तारतम्यता बनाए रखना	**4**
-	**-**	**(क)**		**विचारपरक लेखन -** समाचार पत्रों मे समाचारों के अतिरिक्त संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय, टिप्पणियाँ, लेख आदि **भेद -** विभिन्न विषय के विशेषज्ञों/ वरिष्ठ पत्रकारों के स्तंभ (कॉलम) आलेख, फीचर आदि **लाभ -** अखबारों की छवि का निर्माण एवं जनमत को प्रतिबिंबित करना	**4**
	(ख)	**-**	**-**	**पत्रकारीय लेखन -** पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूप **पत्रकार के प्रकार** 1. पूर्णकालिक - किसी समाचार संगठन के नियमित वेतनभोगी 2. अंशकालिक - एक निश्चित मानदेय पर काम करने	**1+3=4**

ZOLLEGE.in

				वाले 3. फ्रीलांसर (स्वतंत्र पत्रकार) - भुगतान के आधार पर अलग-अलग समाचार पत्र के लिए कार्य करने वाले	
	-	(ख)	-	**इलेक्ट्रॉनिक माध्यम -** ▯ समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए उपयोगी ▯ तुरंत घटी घटनाओं का प्रसारण संभव ▯ जन संचार का सबसे तेज माध्यम ▯ चौबीसों घंटे उपलब्ध **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **प्रिंट माध्यम -** ▯ केवल साक्षर वर्ग के लिए उपयोगी ▯ तुरंत घटी घटनाओं का प्रकाशन संभव नहीं ▯ समाचार प्रकाशित करने की समय-सीमा तय ▯ अपेक्षाकृत सस्ता ▯ स्थायित्व होना ▯ चिंतन-मनन की सुविधा उपलब्ध **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2+2=4**
	-	-	(ख)	क्या, कौन (किसके), कब, कहाँ, कैसे और क्यों ▯ क्या, कौन (किसके), कब, कहाँ सूचनात्मक और तथ्यों पर आधारित (इंट्रो / मुखड़ा) ▯ कैसे और क्यों (बॉडी) ▯ विवरणात्मक, व्याख्यात्मक और विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर	**4**
	(ग)	-	-	**टी.वी. पर प्रसारित सूचनाओं के विभिन्न चरण -** ▯ फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज, ड्राइ एंकर, फोन-इन, एंकर विजुअल, एंकर बाइट, लाइव, एंकर पैकेज **विस्तार-** ▯ **फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज-** कोई बड़ी खबर जो ब्रेकिंग न्यूज के रूप में कम शब्दों में तत्काल दर्शकों तक पहुँचाई जाए ▯ **ड्राई एंकर -** एंकर के द्वारा बिना दृश्यों के रिपोर्टर द्वारा मिली जानकारी दर्शकों तक पहुँचाना ▯ **फोन-इन -** एंकर द्वारा घटनास्थल पर मौजूद रिपोर्टर से फोन पर बात करके अधिक से अधिक	**4**

ZOLLEGE.in

				जानकारी दर्शकों तक पहुँचाना ▯ **एंकर विजुअल** - एंकर द्वारा घटना के दृश्य या विजुअल मिलने पर और उन दृश्यों के आधार पर पढ़ी जाने वाली खबर ▯ **एंकर बाइट** - बाइट यानी कथन । घटना के प्रत्यक्षदर्शियों या संबंधित व्यक्तियों के कथन दिखाकर या सुनाकर खबर को प्रमाणित करना ▯ **लाइव** - किसी खबर का घटनास्थल से सीधा प्रसारण ▯ **एंकर पैकेज** - किसी भी खबर को घटना के दृश्य, प्रत्यक्षदर्शियों की बाइट, ग्राफिक आदि के साथ संपूर्णता से पेश करना **(किन्हीं चार चरणों का विस्तार अपेक्षित)**	
-	(ग)	-	**(उल्टा पिरामिड शैली)** ▯ समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली ▯ सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना सबसे प्रारंभ में ▯ घटना/विचार समस्या का ब्यौरा काल क्रमानुसार न होकर सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना के अनुसार **प्रयोग** - समाचार लेखन के लिए	**3+1=4**
-	-	(ग)	**संवाददाता -** ▯ अखबारी दुनिया में बीट कवर करने वाला संवाददाता ▯ बीट रिपोर्टर को उसकी रुचि और योग्यता के अनुसार कार्य विभाजन **विशेष संवाददाता -** ▯ विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाला पत्रकार ▯ घटनाओं, मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण करने वाला	**2+2=4**

ZOLLEGE.in

10	**10**	**11**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	**कवि को संसार अपूर्ण लगने के कारण** • संसार की विषमताएँ • सुख-दुख से निर्लिप्त होकर अपने अनुसार रहना • संसार की स्वार्थी वृत्ति • भावनाओं को अधिक महत्व देना तथा संसार का भावशून्य होना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	**कविता और फूलों में समानता** दोनों का अपने सौंदर्य, सुगंध और प्रभाव से सबको लुभाना **अंतर -** फूलों में सौंदर्य, सुगंध और जीवन सीमित, किंतु कविता का प्रभाव शाश्वत एवं देशकाल की सीमा से परे	**1½+1½=3**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	• परिवर्तन की आशा से • खुशहाली की आशा से • शोषण से मुक्ति की आशा से • उन्नत खेती की आशा से **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
11	**11**	**10**	**11**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**(क)**	**(क)**	• समाज में व्याप्त जातिगत भेदभावों तथा वर्गभेद की अवहेलना करके • धर्म के आधार पर समाज का विभाजन करने वाले दुराग्रहों का तिरस्कार करके	**2**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	खेत की तरह ही कागज के पन्ने पर कल्पना के सहारे भावनाओं रूपी बीजों के अंकुरित-पल्लवित और पुष्पित हो कृति का रूप धारण करने के कारण	**2**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	भोर के समय आकाश में गहरा नीला रंग छा जाता है, जिसमें से उगते सूर्य की श्वेत आभा झाँकने लगती है । उस समय ऐसा लगता है, मानो नीले रंग के जल में किसी सुंदरी की गोरी देह झिलमिला रही है	**2**

ZOLLEGE.in

12	12	12	12	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2x3=6
	(क)	-	-	बाजार की चमक-दमक से प्रभावित हो अनावश्यक खरीदारी करने के कारण आँखों के माध्यम से मस्तिष्क पर असर होने के कारण मन में असंतोष और अतृप्ति के कारण	3
	-	(क)	-	महादेवी नाम लेखिका के लिए दुर्वह चाहकर भी स्वयं की दृष्टि में नाम के अनुरूप महान नहीं बन पाना नाम की विशालता वहन करना उनके लिए सरल न होना	3
	-	-	(क)	भक्तिन द्वारा लेखिका को खुश करने के लिए कभी-कभी झूठ बोलना शास्त्रों की बातों को अपने तरीके से सुलझाना भक्तिन द्वारा पैसे छिपा देना, पूछने पर ग़लती नहीं मानना और तर्क देना	3
	(ख)	-	-	पूजा-पाठ, कथा-विधान अनुष्ठान आदि करने के उपरांत भी वर्षा न होने पर पारंपरिक अंध-विश्वास होने के कारण इंदर सेना द्वारा पानी माँगने की गुहार लगाने से वर्षा होने की संभावना पर आस्था के कारण बच्चों की निश्छल प्रार्थना ईश्वर के द्वारा अवश्य सुनी जाने के विश्वास के कारण	3
	-	(ख)	-	जातिप्रथा के आधार पर श्रम-विभाजन मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं श्रम के साथ - साथ श्रमिकों का विभाजन जाति के आधार पर पेशे का दोषपूर्ण निर्धारण कर आजीवन एक पेशे में बाँधना	3
	-	-	(ख)	शारीरिक वंश परंपरा सामाजिक उत्तराधिकार मनुष्य के अपने प्रयत्न **(स्पष्टीकरण अपेक्षित)**	3

ZOLLEGE.in

	(ग)	-	-	▯ महामारी के कारण गाँव में पसरा सन्नाटा ▯ प्रकृति की मनुष्य के दुख में दुखी होने की स्थिति ▯ महामारी से पीड़ित एवं मृत्यु से भयभीत होना	1½+1½=3
	-	(ग)	-	▯ दीपावली, गोवर्धन जैसे पर्वों पर किए जाने वाले अनुष्ठान, पूजा-विधान ▯ इंदर-सेना पर पानी फेंकना ▯ जन्माष्टमी के अवसर पर आठ दिन की झाँकी सजाना, पंजीरी बाँटना आदि	3
	-	-	(ग)	**अशोक वृक्ष की विशेषताएँ -** ▯ सदाबहार वृक्ष ▯ आम के पत्तों से मिलते-जुलते पत्ते ▯ मंगलजनक वृक्ष ▯ छायादार वृक्ष **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
13	**13**	**13**	**13**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	-	-	▯ जेठ की तपती गर्मी में भी हरा-भरा, फूलों से लदा होना ▯ कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचारक ▯ बड़ा और छायादार **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	(क)	-	▯ आवश्यकता के अनुसार वस्तु खरीदना ▯ सामान की सूची बनाकर बाजार जाना ▯ बाजार के मायाजाल में न फँसना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	-	(क)	**किस प्रकार पुरस्कृत किया** ▯ राज पहलवान घोषित करना ▯ सदा के लिए अपने दरबार में रखना **कारण -** ▯ श्यामनगर के दंगल में चाँदसिंह (शेर के बच्चे) को पछाड़ना	1+1=2

ZOLLEGE.in

				अपने राज्य का नाम गौरवान्वित करना	
	(ख)	**-**	**-**	जातिवाद के पोषक जातिप्रथा को मानने वाले को कहा है **कारण -** श्रम विभाजन के लिए जातिप्रथा को समाज के लिए आवश्यक मानने तथा उचित ठहराने के कारण	**1+1=2**
13	**-**	**(ख)**	**-**	**गुरु -** ढोल को **कारण -** ढोल की थाप से पहलवानी के दाँव-पेंच सीखने के कारण ढोल की आवाज से उत्साह व जोश मिलने के कारण	**1+1=2**
	-	**-**	**(ख)**	आर्य समाजी होना वैज्ञानिक दृष्टिकोण तर्क के आधार पर समस्याओं का समाधान करना रूढ़िवादी परंपराओं में विश्वास न होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ग)	**-**	**-**	महादेवी जी के संपर्क में रहकर भक्तिन कवियों के विषय में थोड़ा समझने लगी थी, पर वह उनकी प्रतिभा से अधिक महत्व उनके लंबे बाल और अस्त-व्यस्त वेशभूषा को देती थी भक्तिन के द्वारा साहित्यकारों को दिया जाने वाला सम्मान, उनके द्वारा महादेवी को दिए जाने वाले सम्मान की मात्रा पर निर्भर था	**2**
	-	**(ग)**	**-**	अवधूत के समान सुख और दुख दोनों स्थितियों में स्थिर रहने के कारण विपरीत परिस्थितियों में जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचारित करने के कारण	**2**
	-	**-**	**(ग)**	बाजार को मनुष्य से अधिक महत्व देने के कारण एक की हानि में दूसरे का लाभ देखने के कारण	**2**

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in

				• बाजार को प्रमुखता देने वाले अर्थशास्त्र में मनुष्य की आवश्यकता की पूर्ति न होकर उसका शोषण होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	

****

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in